Maharaja Surajmal Brij University
Bharatpur (Raj.)

SYLLABUS

B.A. -Hindi (Literature)

V & VI SEMESTER

EXAMINATION -2025-26

As per NEP-2020

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राजस्थान)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)

प्रश्न पत्र- आधुनिक काव्य

HIN-10T-501

1 क्रेडिट -25 अंक
6 क्रेडिट-150 अंक
प्रश्न प्रत्र- 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन- 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. आधुनिक हिन्दी काव्य की समृद्ध परम्परा और विकास–क्रम का परिचय कराना। 2 आधुनिक-काव्य के प्रमुख रचनाकारों के साहित्यिक अवदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना। 3. रचनात्मक कौशल का विकास करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome)	1. आधुनिक काव्य लेखन में विद्यार्थी पारंगत होंगे। 2- काव्य रचना में प्रयुक्त काव्यशास्त्रीय तत्त्वों से अवगत होकर सृजनात्मक लेखन की ओर अग्रसर होंगे। 3- काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों से परिचित हो सकेंगे।

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्न पत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खंड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड-ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या के हैं, जिसमें इकाई 2,3 एवं 4 में निर्धारित पाठ से कुल 04 व्याख्याएँ पूछी जाएँगी (निर्धारित पाठ इकाई से एक अनिवार्य, आंतरिक विकल्प सहित) प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड-स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा ।

इकाई-प्रथम

1. हिन्दी साहित्य इतिहास - आधुनिक काल
2. आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ -
   भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता।

(प्रो० नरेश चन्द गोयल) (प्रोफेसर डॉ. अमीत कुमार गुप्ता)

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

इकाई-द्वितीय

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

   प्रियप्रवास - पवनसंदेश, सर्ग-6,छंद 51 से 83 तक

   (तू पावेगी कुसुम गहने कान्तता साथ पैन्हे। .....से
   चिंतायें भी चलित करती वर्द्धिताथी व्यथायें। तक)

2. मैथिलीशरण गुप्त

   साकेत- नवम सर्ग- प्रस्तावित गीत-

   (अ) वेदने ! तू भी भली बनी .....

   (ब) दरसो परसो घन, बरसो.....

   (स) निरख सखी, ये खंजन आये.....

   (द) दोनों ओर प्रेम पलता है.....

   (य) विरह संग अभिसार भी.....

3. जयशंकर प्रसाद

   कामायनी- चिन्ता सर्ग-

   (हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर - देख हृदय था उठा कराह।

इकाई- तृतीय

1. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
   (अ) संध्या सुन्दरी
   (ब) वह तोड़ती पत्थर
2. रामधारी सिंह 'दिनकर'
   (अ) रश्मिरथी- दूसरा सर्ग
   (ब) नारी
3. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
   (अ) नदी के द्वीप
   (ब) आज थका हिय हारिल मेरा

(प्रो० नरेश चन्द्र जोशी)

(प्रो कुमार डॉ. अशोक कुमार गुप्ता)

इकाई - चतुर्थ

1. माखनलाल चतुर्वेदी
   - (अ) पुष्प की अभिलाषा
   - (ब) कैदी और कोकिला
2. गजानन माधव मुक्ति बोध
   - (अ) बबूल
   - (ब) जन-जन का चेहरा एक
3. सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'
   - (अ) अकाल-दर्शन
   - (ब) बीस साल बाद
4. नंद किशोर आचार्य
   - (अ) अब यदि चलने भी लगे
   - (ब) घरौंदा
   - (स) लामकाँ है भाषा

अनुशंसित ग्रन्थ -

1. आधुनिक कवि- डॉ. ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री. डॉ. रामप्रकाश,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध- डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक- डॉ. नगेन्द्र, . नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास–विश्वनाथ त्रिपाठी, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. हरिचरण शर्मा. माया प्रकाशन मंदिर. जयपुर

(प्रो० नरेश चन्द्र गोपाल)

(प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार गुप्ता)

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राजस्थान)

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)

प्रश्न पत्र- भाषा, काव्यशास्त्र एवं निबंध

HIN-10T-601

1 क्रेडिट -25 अंक
6 क्रेडिट-150 अंक
प्रश्न प्रत्र- 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन- 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के उद्भव एवम् विकास की जानकारी कराना। 2. काव्य शास्त्रीय तत्त्वों एवं परम्पराओं से अवगत होकर नवीन शोध दृष्टि का विकास कराना। 3. विद्यार्थियों में निबंधों के अध्ययन से संवेदनात्मक अनुभूति विकसित कराना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome)	1. हिन्दी भाषा - व्याकरण की जानकारी विकसित करेंगे। 2. काव्य शास्त्रीय सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे। 3. निबंध लेखन में विद्यार्थी पारंगत हो सकेंगे।

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्न पत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खंड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड-ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या के हैं, जिसमें इकाई 3 एवं 4 में निर्धारित पाठों से कुल 4 गद्यांश (निर्धारित पाठ इकाई से दो-दो अनिवार्य, आंतरिक विकल्प सहित) व्याख्या हेतु पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड-स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई-प्रथम

भाषा -

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
2. देवनागरी लिपि - महत्त्व, वैज्ञानिकता तथा मानकीकरण/सुधार
3. राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति, समस्याएँ तथा समाधान

(संयोजक डॉ. अशोक कुमार गुप्ता)

इकाई-द्वितीय

काव्य शास्त्र -

1. **अलंकार-** परिभाषा और महत्त्व, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, उदाहरण, दृष्टांत, अन्योक्ति, मानवीकरण, संदेह, भ्रान्तिमान, प्रतीप, व्यतिरेक

(प्रो० नरेश चन्द्र गौतम)

2. **छंद-** परिभाषा और महत्त्व, दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, उल्लाला, मालिनी, द्रुतविलम्बित, गीतिका, हरिगीतिका, सवैया, कवित्त, कुंडलिया
3. **रस-** परिभाषा, रस के अवयव, रस-सिद्धांत और रस के प्रकार
4. **गुण-** माधुर्य, ओज, प्रसाद
5. **रीति-** वैदर्भी, गौडी, पांचाली
6. **शब्द शक्ति-** अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

इकाई-तृतीय

निबंध -

1. भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? ---------- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. कविता क्या है ---------- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. साहित्य का मर्म ---------- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. मेरी साहित्यिक मान्यताएँ ---------- डॉ. नगेन्द्र

इकाई-चतुर्थ

निबंध -

1. सन्त-साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
2. भारतीय कलादृष्टि - पं. विद्यानिवास मिश्र
3. लेखक की स्वतंत्रता : आज के संदर्भ में - निर्मल वर्मा
4. कछुआ धर्म - चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

अनुशंसित ग्रन्थ -

1. हिन्दी उद्भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा उद्भव, विकास एवं मानक रूप - डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंघवी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
3. मानक हिन्दी व्याकरण - डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रस, अलंकार, छन्द तथा अन्य काव्यांग- डॉ. वेंकट शर्मा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
5. अलंकार पारिजात - नरोत्तम स्वामी, प्रकाशक - लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
6. हिन्दी का मानक स्वरूप- देवर्षि कलानाथ शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर
7. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
8. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. हिन्दी भाषा, व्याकरण और साहित्य-सिद्धान्त - डॉ. रीता गौड़, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर
10. हिन्दी का गद्य-साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. निबंध निकेत - संपादक - डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर

(प्रो० नरेश चन्द्र ...) (प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार गुप्ता)

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम